संलग्नक I

पारिवारिक अनुसूची

गरीबी : परिमाण, निर्धारक तथा परिणाम
नोट: संग्रहीत आंकड़े केवल शैक्षणिक अभ्यास के लिए काम में लिए जाएँगे तथा गोपनीय रखे जाएँगे।

क) पहचान

गाँव / मुहल्ला ________ तहसील/नगर ________ जिला ________ राज्य _________

परिवार का मुखिया ________________ पुत्र _____________ जाति ____________

उत्तरकर्त्ता का क्रमांक _____________

ख) आधारभूत जनांकिकी सूचनाएँ :

क्र. सं.	परिवार के मुखिया से संबंध	लिंग (पुरुष/ स्त्री)	आयु (वर्ष)	शैक्षिक स्तर (वर्ष/ योग्यता)	वैवाहिक स्थिति (कूट)	प्राथमिक व्यवसाय (कूट से निर्धारित	द्वितीयक व्यवसाय (कूट से निर्धारित)	वार्षिक अकृषिगत आय (रु.)
1.								
2.								
3.								
4.								
5.								
6.								
7.								
8.								
9.								
10.								

व्यावसायिक कूट : कुछ नहीं-0; कृषक- 1; कृषि श्रमिक-2; पशुपालन-3; खनन-4; घरेलू उद्योग-5A; अन्य उत्पादक उद्योग-5B; निर्माण-6, व्यापार-7; यातायात-8; अन्य सेवाएँ-9; विद्यार्थी-10; बेरोजगार-11।

ग) पूँजीगत संपत्तियाँ (केवल स्वयं का हिस्सा)

संपत्ति	इकाई	आकार/सं	संपत्ति	इकाई/प्रकार	सं/आकार
1.	निर्मित क्षेत्र		13.	बकरियाँ	
2.	अनिर्मित क्षेत्र		14.	भेड़ें	
3.	असिंचित क्षेत्र		15.	गधे	
4.	सिंचित क्षेत्र		16.	अन्य (लिखें)	
5.	बीड भूमि		17.	गाड़ी	
6.	सैलाबी		18.	पंप सैट	
7.	गाय		19.	नल-कूप	
8.	बैल		20.	तेल इंजन	
9.	बछड़ा		21.	व्यापारिक प्रतिष्ठान	
10.	भैंस		22.	औद्योगिक इकाइयाँ	
11.	भैंसें		23.	ट्रैक्टर/ट्रक/बस/टैक्सी	
12.	भैंस के बछड़े		24.	अन्य (लिखिए)	

घ) उपभोग्य संपत्तियाँ

मद	संख्या	मॉडल	मद	संख्या	मॉडल
द्विचक्र वाहन पंखा/कूलर अन्य			सिलाई मशीन साइकिल		

ड.) कृषि उत्पादन

खरीफ			रबी			जायद		
फसलें	बोई गई भूमि (हेक्टेयर)	उत्पादन (क्विंटल)	फसलें	बोई गई भूमि (हेक्टेयर)	उत्पादन (क्विंटल)	फसलें	बोई गई भूमि (हेक्टेयर)	उत्पादन (क्विंटल)

च) पशु-उत्पाद

पशु	दूध (ली./प्रतिवर्ष)	शक्ति (दिन/वर्ष)	पशु	दूध (ली./प्रतिवर्ष)	शक्ति (दिन/वर्ष)	ऊन (कि.ग्रा.)
गाय बैल बछड़े भैंस भैंसें			बकरी भेड़ गधे भैंस के बछड़े अन्य			

छ) उपभोग

मद	इकाई	मात्रा	स्त्रोत	मद	इकाई	मात्रा	स्त्रोत
गेहूँ	क्विंटल/वर्ष			ईंधन	क्विंटल/माह		
चावल	क्विंटल/वर्ष			पेट्रोल/डीज़ल	रु/माह		
ज्वार	क्विंटल/वर्ष			गैस/किरोसिन	रु/माह		
बाजरा	क्विंटल/वर्ष			बिजली का बिल	रु/माह		
मक्का	क्विंटल/वर्ष			पानी का बिल	रु/माह		
अन्य खाद्यान्न	क्विंटल/वर्ष			वस्त्र	रु/वर्ष		
दालें	क्विंटल/वर्ष			शिक्षा	रु/वर्ष		
चीनी	कि.ग्रा./माह			दवाइयाँ, आदि	रु/वर्ष		
गुड़	कि.ग्रा./माह			अन्य			
कॉफी/चाय	कि.ग्रा./माह			दूध	लीटर/दिन		
घी	कि.ग्रा./माह			मांस	कि.ग्रा./माह		
वनस्पति तेल	कि.ग्रा./माह			मछली	कि.ग्रा./माह		
सब्जियाँ/फल	कि.ग्रा./दिन						

ज) गरीबी/कल्याण तथा संबंधित परिस्थितियों पर साक्षात्कारकर्त्ता के विशिष्ट तथ्य के प्रेक्षण :

____

____

____

____

____

____

____

साक्षात्कारकर्त्ता का नाम व हस्ताक्षर

दिनांक :

मद		सर्वेक्षण के उदाहरण			
		प्रदूषण	भूमिगत जल	भूमि उपयोग	गरीबी
1. शीर्षक तथा उप शीर्षक		औद्योगिक बहिस्राव : कारण एवं प्रभाव – एक अध्ययन......	भूमिगत जल की कमी के संस्थागत प्रभाव – एक अध्ययन......	तकनीकी–आर्थिक परिवर्तन तथा भूमि उपयोग की स्थिति – एक अध्ययन.....	नगरीय गरीबी : कारण तथा प्रभाव – एक अध्ययन......
2. उद्देश्य					
3. व्याप्ति	(क) क्षेत्रीय व्याप्ति				
	(ख) कालिक व्याप्ति				
	(ग) थिमैटिक व्याप्ति				
4. उपकरण व तकनीकें	(क) द्वितीयक सूचनाएँ				
	(ख) मानचित्र				
	(ग) प्रेक्षण				
	(घ) मापन				
	(ङ.) साक्षात्कार की इकाई				
	(च) सर्वेक्षण का डिज़ाइन				
	(छ) अनुसूची/प्रश्नावली				
5. संकलन एवं संगणन	(क) आंकड़ा प्रविष्टि एवं सारणीयन				
	(ख) अक्षांक का संगणन				
	(ग) दृश्य प्रस्तुति				
	(घ) थिमैटिक मानचित्रण				
	(ङ.) सांख्यिकीय विश्लेषण				
6. प्रतिवेदन लेखन	(क) रूपरेखा				
	(ख) प्रमुख निष्कर्ष				

मद		सर्वेक्षण के उदाहरण			
		ऊर्जा प्रत्यय	*मृदा निम्नीकरण*	*सूखा*	*बाढ़*
1. शीर्षक तथा उप शीर्षक		उर्जा स्रोतों का प्रतिरूप एवं उपभोग – एक अध्ययन	वनोन्मूलन एवं मृदा निम्नीकरण की स्थिति – एक अध्ययन...	सूखे की परिस्थितियों का प्रभाव एवं सामना करने के उपाय – एक अध्ययन....	बाढ़ों की पुनरावृत्ति से लागत व लाभ – एक अध्ययन
2. उद्देश्य					
3. व्याप्ति	(क) क्षेत्रीय व्याप्ति				
	(ख) कालिक व्याप्ति				
	(ग) थिमैटिक व्याप्ति				
4. उपकरण व तकनीकें	(क) द्वितीयक सूचनाएँ				
	(ख) मानचित्र				
	(ग) प्रेक्षण				
	(घ) मापन				
	(ड.) साक्षात्कार की इकाई				
	(च) सर्वेक्षण का डिज़ाइन				
	(छ) अनुसूची/प्रश्नावली				
5. संकलन एवं संगणन	(क) आंकड़ा प्रविष्टि एवं सारणीयन				
	(ख) अक्षांक का संगणन				
	(ग) दृश्य प्रस्तुति				
	(घ) थिमैटिक मानचित्रण				
	(ड.) सांख्यिकीय विश्लेषण				
6. प्रतिवेदन लेखन	(क) रूपरेखा				
	(ख) प्रमुख निष्कर्ष				

शब्दावली

आयतचित्र : बारंबारता बंटन, जैसे वर्षा ऋतु के अनुसार बारंबारता का ग्राफ़ीय प्रदर्शन।

केंद्रीय प्रवृत्ति : सांख्यिकीय/मात्रात्मक आंकड़ों की प्रवृत्ति किसी मान के आसपास/चतुर्दिक गुच्छित होती है।

चक्रारेख : वृत्तीय आरेख जिसमें आंकड़ों को प्रतिशत के रूप में प्रदर्शित करने के लिए वृत्त को त्रिज्या-खंडों में विभाजित करते हैं।

चर : कोई भी अभिलक्षण जो बदलता रहता है। संख्यात्मक/मात्रात्मक चर वह अभिलक्षण है जिसके अलग-अलग मान होते हैं और उनका अंतर संख्यात्मक रूप में मापा जा सकता है। उदाहरण के लिए वर्षा एक संख्यात्मक चर है क्योंकि विभिन्न क्षेत्रों अथवा विभिन्न अवधियों में हुई वर्षा के अलग-अलग मानों के अंतरों को नापा जा सकता है। इसके विपरीत गुणात्मक चर वह अभिलक्षण है जिसके अलग-अलग मानों को संख्यात्मक रूप में माप नहीं सकते। उदाहरण के लिए लिंग (सेक्स) एक गुणात्मक चर है यह स्त्री अथवा पुरुष कोई भी हो सकता है। गुणात्मक चर को गुणा भी कहा जाता है।

दंड आरेख : स्तंभों या दंडों की एक शृंखला है जिसमें दंडों की लंबाई उनके द्वारा प्रदर्शित मात्रा के अनुपात में होती है। ये दंड चुने हुए मानक/पैमाने के अनुसार खींचे जाते हैं। ये क्षैतिज अथवा ऊर्ध्वाधर रूप में खींचे जा सकते हैं।

प्रवाह मानचित्र : मानचित्र जिनमें 'प्रवाह' अर्थात् लोगों या वस्तुओं का गमनागमन धारियों/पट्टियों द्वारा प्रदर्शित किया जाता है। इन धारियों/पट्टियों की मोटाई उनके द्वारा प्रदर्शित विभिन्न मार्गों पर आने-जाने वाली वस्तुओं की मात्रा या लोगों की संख्या के अनुपात में होती है।

बहुलक : किसी श्रेणी में बहुलक चरांक का वह मान होता है जो सबसे अधिक बार आता है। दूसरे शब्दों में बहुलक पद का वह मान है जिसकी बारंबारता सबसे अधिक होती है।

माध्य विचलन : किसी केंद्रीय मान से विचलनों के औसत द्वारा परिक्षेपण का माप। ऐसे विचलनों को निरपेक्ष रूप में लिया जाता है अर्थात् उनके धनात्मक अथवा ऋणात्मक पूर्ण श्रेणी चिह्नों पर ध्यान नहीं दिया जाता। केंद्रीय मान सामान्यत: माध्यिका या माध्य होता है।

माध्यिका : जब किसी श्रेणी के पदों के विस्तार को आरोही अथवा अवरोही क्रम में रखा जाता है तो मध्य का पद माध्यिका कहलाती है। इससे स्पष्ट हुआ कि माध्यिका पूर्ण श्रेणी को दो बराबर भागों में बाँटती है और इससे आधे पदों के मान ऊपर और आधे पदों के मान नीचे होते हैं।

मानक विचलन : विक्षेपण के सर्वनिरपेक्ष मापकों में यह सबसे सामान्य मापक है। यह श्रेणी के समस्त माध्य से निकाले गए विचलनों के वर्गों के माध्य का धनात्मक वर्गमूल होता है।

वर्ग-अंतराल : किसी बारंबारता बंटन के ऊपरी-वर्ग और निचले/निम्न वर्ग की सीमाओं के बीच का अंतर वर्ग अंतराल कहलाता है।

वर्णमात्री मानचित्र : मानचित्रों जिनमें किसी दिए गए तत्त्व का विवरण विभिन्न आभाओं या रंगों की गहनता या सघनता के द्वारा प्रदर्शित किया जाता है।

विक्षेपण या फैलाव : किसी चरांक के विभिन्न मानों में आंतरिक विभिन्नताओं की गहनता।

सारणीयन : अशोधित आंकड़ों को सारणी के रूप में व्यवस्थित करने की प्रक्रिया।

संचयी बारंबारता : विभिन्न वर्ग अंतरालों में मापों के बंटन का माप, जो कुल बारंबारता के प्रतिशत के रूप में, किसी निश्चित मान से अधिक अथवा कम मानों के रूप में व्यक्त किया जाता है।

सह-संबंध गुणांक : दो चरों के बीच संबंधों की दिशा और गहनता का माप।